International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 6 Issue 8, August 2016,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षकों तथा विशिष्ट बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षकों के कृत्य–सन्तोष का तुलनात्मक अध्ययन

डॉ0 ओमकार चौरसिया
सह आचार्य, शिक्षक शिक्षा विभाग,
पं0 जे0 एल0 एन0 स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बांदा (उ0प्र0)

सारांश

प्रस्तुत शोध पत्र में बुन्देलखण्ड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षकों तथा विशिष्ट बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षकों के कृत्य–सन्तोष का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन के सन्दर्भ में वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि को प्रयुक्त किया गया है। न्यादर्श हेतु कुल 400 शिक्षक–शिक्षिकाओं को सम्मिलित किया गया है, जिनमें से 200 बी0टी0सी0 प्रशिक्षितऔर 200 विशिष्ट बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षक–शिक्षिकाऐं हैं। कृत्य–संतोष के मापन के लिए डॉ0 एस0के0 सक्सेना द्वारा निर्मित एवं प्रमाणीकृत परीक्षण का प्रयोग किया गया है। संकलित प्रदत्तों के विश्लेषण हेतु मध्यमान, मानक विचलन एवं टी–परीक्षण का प्रयोग किया गया। प्रदत्तों के विश्लेषण के फलस्वरूप पाया गया कि बी0टी0सी0 प्रशिक्षण प्राप्त शिक्षक (पुरुष–महिला) अपने कार्य से विशिष्ट बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षकों (पुरुष–महिला) की तुलना में अधिक संतुष्ट हैं परन्तु इनके मध्य कृत्य–संतोष में यह अन्तर सार्थक नहीं है।

प्रस्तावना

समाज में माता को प्रथम शिक्षक का दर्जा प्राप्त है, क्योंकि बालक सर्वप्रथम अपनी माँ से ही शिक्षा ग्रहण करता है। ज्यों–ज्यों उसका विकास होता है, त्यों–त्यों उसकी शिक्षा का प्रबन्ध अलग–अलग व्यक्तियों द्वारा किया जाता है। शिक्षा के मुख्यतः तीन स्तर माने जाते हैं– प्राथमिक, माध्यमिक, और उच्च–स्तर। इन तीनों स्तरों का अपना विशेष महत्व है और तीनों परस्पर अवलम्बित है। जहाँ प्राथमिक–स्तर शिक्षा का मूल है, वहीं माध्यमिक–स्तर तना एवं उच्च–स्तर उसका विकासात्मक पक्ष है। अंग्रेजी कहावत है–

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 6 Issue 8, August 2016,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

Well begun is half done.

यदि किसी काम की शुरुआत अच्छी हो, तो समझिये वह आधा हो गया और फिर शेष आधा सरल ढंग से हो जायेगा। शिक्षा के सन्दर्भ में भी इसे अक्षरशः सत्य माना जा सकता है। उपरोक्त का आशय यह है कि अगर बालक की प्राथमिक शिक्षा की व्यवस्था व्यवस्थित तरीके से पूर्ण हो जाती है, तो इस प्राथमिक शिक्षा के आधार पर माध्यमिक, उच्च एवं अन्य तकनीकी तथा व्यावसायिक शिक्षा रूपी इमारतें सरलता से विकसित की जा सकतीं हैं।

यह निर्विवाद सत्य है कि अच्छी शिक्षा के लिए अच्छे शिक्षक होने चाहिये, क्योंकि वे ही समस्त शिक्षा की धुरी हैं। भारत की सर्वाधिक जनसंख्या उत्तर प्रदेश में निवास करती है। स्वाभाविक ही है कि उत्तर प्रदेश में प्राथमिक विद्यालयों में छात्रों की संख्या भी अधिक है, जिनके शिक्षण हेतु निर्धारित छात्र–शिक्षक अनुपात 1:40 के अनुरूप शिक्षक नहीं हैं, वहीं निकट के वर्षों में एक–तिहाई शिक्षक सेवानिवृत्त हो रहे हैं, जबकि उत्तर प्रदेश में प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों को प्रशिक्षित करने के लिए बी0टी0सी0 की ट्रेनिंग विभिन्न जिलों में स्थापित जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान (डायट) में दी जाती है, परन्तु प्राथमिक शिक्षा में प्रशिक्षित शिक्षकों की माँग के अनुरूप पूर्ति बी0टी0सी0 की ट्रेनिंग द्वारा विगत वर्शों में नहीं की जा सकी। दूसरी ओर माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षण के लिए प्रशिक्षण प्राप्त बी0एड0 डिग्रीधारी बेरोजगार, रोजगार के लिए इधर–उधर भटक रहे थे तथा आये दिन धरना और प्रदर्शन करते थे, अतः इस समस्या के समाधान के लिए वर्षों से चले आ रहे आन्दोलन तथा समय की माँग को ध्यान में रखकर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षण हेतु बी0एड0/बी0पी0एड0/एल0टी0 प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके प्रशिक्षणार्थियों को प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षक के रुप में नियुक्ति प्रदान करने हेतु विशिष्ट बी0टी0सी0 योजना चलायी गयी, जिसमें प्रशिक्षण प्राप्त बी0एड0/बी0पी0एड0/एल0टी0 डिग्री धारी अभ्यर्थियों की हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट, स्नातक एवं प्रशिक्षण की 'शैक्षिक–उपलब्धि' को आधार मानकर बनाई गई मैरिट–सूची के आधार पर अभ्यर्थियों को प्राथमिक शिक्षा में अध्यापन हेतु 6 माह विशिष्ट बी0टी0सी0 का प्रशिक्षण प्रदान कर, इन्हें प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षक पद पर समायोजित (नियुक्त) किया गया है।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 6 Issue 8, August 2016,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

निर्मल सक्सेना (1990) ने शिक्षण व्यवसाय में कृत्य–संतोष को प्रभावित करने वाले कारकों का अध्ययन किया। अध्ययन का मुख्य लक्ष्य कृत्य–संतोष एवं शिक्षण अभिवृति के मध्य सहसम्बन्ध के अध्ययन के साथ ही साथ सामाजिक–आर्थिक स्थिति एवं कृत्य–संतोष के मध्य सम्बन्धों का पता लगाना था। अध्ययन में शिक्षण कौशल और कृत्य–संतोष के मध्य सकारात्मक सहसम्बन्ध पाया गया। राज तिलक एवं ललिता (2013) ने शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के शिक्षको के मध्य कार्य संतुष्टि : एक तुलनात्मक विश्लेषणात्मक शीर्षक पर अध्ययन किया। निष्कर्ष के आधार पर यह ज्ञात हुआ कि शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के शिक्षको के मध्य कार्य संतुष्टि में सार्थक अन्तर नहीं है। शर्मा (2013) ने शिक्षण व्यवसाय में शिक्षको के कार्य संतुष्टि पर अध्ययन किया एव निष्कर्ष निकाला कि शिक्षण व्यवसाय में शिक्षको की कार्य संतुष्टि का शिक्षण सफलता के साथ सार्थक संबंध है।

यह कहा जाता है कि कोई व्यक्ति अपने कार्य में तब तक सफल नहीं हो सकता जब तक वह उस कार्य को अपने पूर्ण मनोयोग से न करे और व्यक्ति उसी कार्य को पूर्ण मनोयोग से करता है, जो उसकी रुचि और क्षमता के अनुकूल होता है। व्यवहार में यह देखा गया है कि यदि किसी व्यक्ति को उसकी योग्यता और क्षमता के अनुरुप कार्य करने का अवसर नहीं मिलता है, तो वह उस कार्य को ठीक ढंगसे नहीं करता है और नही वह ठीक ढंग से अपने आप को उस कार्य में समायोजित कर पाता है।इससे दो तरह का नुकसान होता है, पहला– उसे जो कार्य दिया जाता है, वह सफल ढंग से पूरा नहीं होता और दूसरा– वह व्यक्ति मन ही मन निराशा से ग्रसित हो जाता है, जिससे उसका स्वयं का संतुलित विकास नहीं हो पाता।

शोधकर्ता ने जब यह देखा कि एक ऐसा व्यक्ति, जिसने माध्यमिक स्तर पर शिक्षण करने हेतु प्रशिक्षण एवं शिक्षा प्राप्त की है, समय के साथ समझौता कर विशिष्ट बी0टी0सी0 का प्रशिक्षण प्राप्त करके प्राथमिक स्तर पर शिक्षण कर रहा है, तो उसके मन में यह जानने की तीव्र जिज्ञासा हुई कि क्या ऐसा व्यक्ति, उस व्यक्ति की तरह, जिसने प्राथमिक शिक्षक बनने के लिए ही प्रशिक्षण प्राप्त किया है, अपने कार्य से सन्तुष्ट होगा? इसी प्रश्न का उत्तर जानने हेतु शोधकर्ता ने निम्न समस्या का चयन शोध कार्य हेतु किया है।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 6 Issue 8, August 2016,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

समस्या कथन

''बुन्देलखण्ड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षकों तथा विशिष्ट बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षकों के कृत्य–सन्तोष का तुलनात्मक अध्ययन''

समस्या का परिभाषीकरण

प्राथमिक विद्यालय :– यहाँ प्राथमिक विद्यालयों से तात्पर्य उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित सरकारी प्राथमिक विद्यालयों से हैं।

बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षक:– इनसे तात्पर्य उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्राथमिक स्तर के शिक्षकों के लिऐ निर्धारित प्रशिक्षण को पूरा कर, प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों से है।

विशिष्ट बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षक :–इनसे तात्पर्य बी0एड0/बी0पी0एड0/एल0टी0 प्रशिक्षित व्यक्तियों को सरकारी प्रक्रिया द्वारा चयनित कर जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों (डायट) में 6 माह का प्रशिक्षण प्राप्त कर, प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों से है।

कृत्य–संतोष :– कृत्य–संतोष से तात्पर्य किसी भी कर्मचारी द्वारा किये जा रहे कार्यों में ली जाने वाली उसकी रुचि से है। इसी रुचि के कारण वह अपने कार्य को अच्छी तरह से करता है तथा उस कार्य विशेष का कुशलता पूर्वक निर्वहन कर दक्षता प्राप्त करता है और किये गये कार्य से संतोष प्राप्त करता है। अपनी इस सन्तुष्टि से वह स्वयं सुखी रहता है और समाज का भी हित करता है। यही कारण है कि प्रत्येक व्यक्ति को किसी न किसी व्यवसाय विशेष अथवा कार्य विशेष में रुचि होती है और अपनी पसन्द के अनुसार कार्य करने की चाह के कारण वह उस व्यवसाय के लिए अपेक्षित योग्यता प्राप्त करता है। किसी कार्य को करने के पीछे व्यक्ति की सन्तुष्टि की चाह ही सर्वोपरि होती है। जिससे वह उस कार्य विशेश में कुशल मार्गदर्शक की मदद लेकर अपना व्यवसाय चुनता है। यह कहना अतिशयोक्ति न होगा कि व्यक्ति की रुचि, कार्यदशाओं, अपेक्षाओं की पूर्ति जिस व्यवसाय में अधिकतम होगी, व्यक्ति उसी व्यवसाय विशेष को चुनने का प्रयास करेगा। ठीक यही स्थिति शिक्षा के क्षेत्र में भी लागू होती है। अपनी रुचि के अनुसार जो व्यक्ति शिक्षण कार्य कर रहे हैं तथा उनकी अपेक्षाओं के अनुकूल उन्हें स्तर एवं कार्यदशायेंप्राप्त हैं, वे अधिकतम सन्तुष्टि का एहसास कर रहे हैं।

प्रस्तुत अध्ययन में कृत्य–संतोष से तात्पर्य **डॉ0 एस0के0 सक्सेना** द्वारा प्राथमिक स्कूल टीचर्स के लिए निर्मित एवं प्रमाणीकृत, **'कृत्य–संतोष स्केल फार टीचर्स'–(फार्म–बी0)**(JST) के प्रशासन से प्राप्त प्राप्तांकों से है।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 6 Issue 8, August 2016,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

शोध उद्देश्य

1. बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं के कृत्य–संतोष का तुलनात्मक अध्ययन करना।
2. विशिष्टबी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं के कृत्य–संतोष का तुलनात्मक अध्ययन करना।
3. बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षकों (पुरुष एवं महिला) और विशिष्ट बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षकों (पुरुष एवं महिला) के कृत्य–संतोष का तुलनात्मक अध्ययन करना।

शोध की परिकल्पनायें

1. बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षकों (पुरुष एवं महिला) तथा विशिष्ट बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षकों (पुरुष एवं महिला) के 'कृत्य–संतोष' में कोई अन्तर नहीं है।
2. बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षकों (पुरुष) एवं विशिष्ट बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षकों (पुरुष) के 'कृत्य–संतोष' में कोई अन्तर नहीं है।
3. बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षिकाओं तथा विशिष्ट बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षिकाओं के 'कृत्य–संतोष' में कोई अन्तर नहीं है।
4. बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षकों एवं विशिष्ट बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षिकाओं के 'कृत्य–संतोष' में कोई अन्तर नहीं है।
5. बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षिकाओं एवं विशिष्ट बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षकों के 'कृत्य–संतोष' में कोई अन्तर नहीं है।

समस्या का परिसीमन

1. प्रस्तुत शोध केवल उत्तर प्रदेश में स्थित बुन्देलखण्ड क्षेत्र के चित्रकूट धाम कर्वी, बाँदा, हमीरपुर, महोबा, झाँसी, ललितपुर एवं जालौन जनपद के प्राथमिक विद्यालयों पर आधारित है।
2. प्रस्तुत शोध कार्य में प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत बी0टी0सी0 प्रशिक्षित एवं विशिष्ट बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षक–शिक्षिकाओं को सम्मिलित किया गया है।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 6 Issue 8, August 2016,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

3. प्रस्तुत शोध 200 बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षकों (100 पुरुष + 100 महिला) तथा 200 विशिष्ट बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षकों (100 पुरुष + 100 महिला)के न्यादर्श पर आधारित है।

शोध विधि–वर्तमान अध्ययन वर्णनात्मक शोध के अन्तर्गत सर्वेक्षण शोध की प्रतिदर्श सर्वेक्षण के मूल्यांकन सर्वेक्षण की श्रेणी में आता है।

न्यादर्श – न्यादर्श में कुल 400 शिक्षक–शिक्षिकाओं को सम्मिलित किया गया है, जिनमें से 200 बी0टी0सी0 प्रशिक्षितऔर 200 विशिष्ट बी0टी0सी0 प्रशिक्षितशिक्षक–शिक्षिकाऐं हैं।

शोध उपकरण–कृत्य–संतोष के मापन के लिए डॉ0 एस0के0 सक्सेना द्वारा निर्मित एवं प्रमाणीकृत परीक्षण का प्रयोग किया गया है।

शोध में प्रयुक्त सांख्यकीय प्रविधियाँ–एकत्रित आँकड़ों को सारणीबद्ध किया गया, तत्पश्चात् आवश्यकतानुसार वर्गवार विभाजित करके उनका माध्य, मानक विचलन, ज्ञात किया गया तथा परिकल्पनाओं का सत्यापन टी–परीक्षण की सहायता से किया गया है।

परिकल्पनाओं का परीक्षण

परिकल्पना –1''बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षकों (पुरुष एवं महिला) तथा विशिष्ट बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षकों (पुरुष एवं महिला) के 'कृत्य–संतोष' में कोई अन्तर नहीं है।''

सारणी क्रमांक–1
बी0टी0सी0 तथा विशिष्ट बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षकों (पुरुष एवं महिला) का कृत्य–संतोष

शिक्षक वर्ग	बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षक एवं शिक्षिकाऐं	विशिष्ट बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षक एवं शिक्षिकाऐं
कुल संख्या	200	200
मध्यमान	22.31	21.38
मानक विचलन	3.68	3.98
क्रान्तिक अनुपात	2.45	
df (400 – 2) = 398 पर सारणीमान – अ. 5% विश्वास के स्तर पर 1.97 ब. 1% विश्वास के स्तर पर 2.59		

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 6 Issue 8, August 2016,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

उपर्युक्त सारणी से स्पष्ट है कि गणना द्वारा प्राप्त C.R का मान 2.45 है, जबकि df 398 पर टी–तालिका देखने पर पता चलता है कि 5% विश्वास के स्तर पर सार्थकता के लिए आवश्यक C.R का मान 1.97 तथा 1% विश्वास के स्तर पर सार्थकता के लिए आवश्यक C.R का मान 2.59 होना चाहिये। यहाँ गणना से प्राप्त C.R का मान टी–तालिका में दिये गये 5 % विश्वास के स्तर पर C.R के मान से अधिक है, लेकिन 1 % विश्वास के स्तर पर C.R के मान से कम है, अतः यहाँ निराकरणीय परिकल्पना (Null-Hypothesics) स्वीकृत (Accept) की जाती है।

परिकल्पना – 2 ''बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षकों (पुरुष) एवं विशिष्ट बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षकों (पुरुष) के 'कृत्य–संतोष' में कोई अन्तर नहीं है।''

सारणी क्रमांक–2

बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षकों एवं विशिष्ट बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षकों का 'कृत्य–संतोष'

शिक्षक वर्ग	बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षक	विशिष्ट बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षक
कुल संख्या	100	100
मध्यमान	22.82	21.47
मानक विचलन	3.11	3.68
क्रान्तिक अनुपात	2.81	
d,f (200 – 2) = 198 पर सारणीमान –	अ. 5% विश्वास के स्तर पर 1.97 ब. 1% विश्वास के स्तर पर 2.60	

उपर्युक्त सारणी से स्पष्ट है कि गणना द्वारा प्राप्त C.R का मान 2.81 है जबकि df 198 पर टी–तालिका देखने पर पता चलता है कि 5%विश्वास के स्तर पर सार्थकता के लिए आवश्यक C.R का मान 1.97 तथा 1% विश्वास के स्तर पर सार्थकता के लिए आवश्यक C.R का मान 2.60 होना चाहिये।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 6 Issue 8, August 2016,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

यहाँ गणना से प्राप्त C.R का मान टी–तालिका में दिये गये दोनों स्तरों पर सार्थकता के लिए आवश्यक C.R के मानों से अधिक है, अतः यहाँ निराकरणीय परिकल्पना (Null-Hypothesics) अस्वीकृत (Reject) की जाती है और कहा जा सकता है कि बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षकों (पुरुष) का कृत्य–संतोष विशिष्ट बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षकों (पुरुष) से अच्छा है।

परिकल्पना – 3 ''बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षिकाओं तथा विशिष्ट बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षिकाओं के 'कृत्य–संतोष' में कोई अन्तर नहीं है।''

सारणी क्रमांक– 3

बी0टी0सी0 तथा विशिष्ट बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षिकाओं का कृत्य–संतोष

शिक्षक वर्ग	बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षिकाऐं	विशिष्ट बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षिकाऐं
कुल संख्या	100	100
मध्यमान	21.80	21.29
मानक विचलन	4.11	4.25
क्रान्तिक अनुपात	0.86	
df (200 – 2) = 198 पर सारणीमान –	अ. 5% विश्वास के स्तर पर 1.97 ब. 1% विश्वास के स्तर पर 2.60	

उपर्युक्त सारणी से स्पष्ट है कि गणना द्वारा प्राप्त C.R का मान 0.86 है जबकि d.f 198 पर टी–तालिका देखने पर पता चलता है कि 5% विश्वास के स्तर पर सार्थकता के लिए आवश्यक C.R का मान 1.97 तथा 1% विश्वास के स्तर पर सार्थकता के लिए आवश्यक C.R का मान 2ण्60 होना चाहिये। यहाँ गणना से प्राप्त C.R का मान टी–तालिका में दिये गये दोनों स्तरों पर सार्थकता के लिए आवश्यक C.R के मानों से कम है, अतः यहाँ निराकरणीय परिकल्पना (Null-Hypothesics) स्वीकृत (Accept) की जाती है और कहा जा सकता है कि बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षिकाओं एवं विशिष्ट बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षिकाओं के कृत्य–संतोष में कोई अन्तर नहीं है।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 6 Issue 8, August 2016,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

परिकल्पना – 4 ''बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षकों एवं विशिष्ट बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षिकाओं के 'कृत्य–संतोष' में कोई अन्तर नहीं है।''

सारणी क्रमांक–4

बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षकों तथा विशिष्ट बी0टी0सी0प्रशिक्षित शिक्षिकाओं का कृत्य–संतोष

शिक्षक वर्ग	बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षक	विशिष्ट बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षिकाऐं
कुल संख्या	100	100
मध्यमान	22.82	21.29
मानक विचलन	3.11	4.25
क्रान्तिक अनुपात	2.89	
df (200 – 2) = 198 पर सारणीमान –	अ. 5% विश्वास के स्तर पर 1.97 ब. 1% विश्वास के स्तर पर 2.60	

उपर्युक्त सारणी से स्पष्ट है कि गणना द्वारा प्राप्त C.Rका मान 2.89 है जबकि d.f 198 पर टी–तालिका देखने पर पता चलता है कि 5% विश्वास के स्तर पर सार्थकता के लिए आवश्यक C.R का मान 1.97 तथा 1% विश्वास के स्तर पर सार्थकता के लिए आवश्यक C.R का मान 2.60 होना चाहिये। यहाँ गणना से प्राप्त C.R का मान टी–तालिका में दिये गये दोनों स्तरों पर सार्थकता के लिए आवश्यकC.R के मानों से अधिक है, अतः यहाँ निराकरणीय परिकल्पना (Null-Hypothesics) अस्वीकृत (Reject) की जाती है और कहा जा सकता है कि बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षकों का कृत्य–संतोष विशिष्ट बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षिकाओं से अच्छा है।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 6 Issue 8, August 2016,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

परिकल्पना – 5 ''बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षिकाओं एवं विशिष्ट बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षकों के 'कृत्य–संतोष' में कोई अन्तर नहीं है।''

सारणी क्रमांक– 5

बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षिकाओं तथा विशिष्ट बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षकों का कृत्य–संतोष

शिक्षक वर्ग	बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षिका	विशिष्ट बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षक
कुल संख्या	100	100
मध्यमान	21.80	21.47
मानक विचलन	4.11	3.68
क्रान्तिक अनुपात	0.60	
d,f (200 – 2) = 198 पर सारणीमान –	अ. 5% विश्वास के स्तर पर 1.97 ब. 1% विश्वास के स्तर पर 2.60	

उपर्युक्त सारणी से स्पष्ट है कि गणना द्वारा प्राप्त C.Rका मान 0.60 है जबकि d.f 198 पर टी–तालिका देखने पर पता चलता है कि 5%विश्वास के स्तर पर सार्थकता के लिए आवश्यक C.R का मान 1.97 तथा 1% विश्वास के स्तर पर सार्थकता के लिए आवश्यक C.R का मान 2.60 होना चाहिये। यहाँ गणना से प्राप्त C.R का मान टी–तालिका में दिये गये दोनों स्तरों पर सार्थकता के लिए आवश्यक C.R के मानों से कम है, अतः यहाँ निराकरणीय परिकल्पना (Null.Hypothesics) स्वीकृत (Accept) की जाती है और कहा जा सकता है कि बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षिकाओं एवं विशिष्ट बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षकों के कृत्य–संतोष में कोई अन्तर नहीं है।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 6 Issue 8, August 2016,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

शोध से प्राप्त निष्कर्ष

1. बी0टी0सी0 प्रशिक्षण प्राप्त पुरुष शिक्षक अपने कार्य से महिला शिक्षकों की तुलना में अधिक संतुश्ट हैं लेकिन संतुश्टि के स्तर पर यह सार्थक अन्तर नहीं है।
2. विशिष्ट बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षकों (पुरुष–महिला) का कृत्य–संतोष अच्छा है।
3. विशिष्ट बी0टी0सी0 प्रशिक्षण प्राप्त पुरुष एवं महिला शिक्षक अपने कार्य से संतुष्ट हैं और इनके मध्य कृत्य–संतोष में सार्थक अन्तर नहीं है।
4. बी0टी0सी0 प्रशिक्षण प्राप्त शिक्षक (पुरुष–महिला) अपने कार्य से विशिष्ट बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षकों (पुरुष–महिला) की तुलना में अधिक संतुश्ट हैं लेकिन परिकल्पना के परीक्षण के आधार पर कहा जा सकता है कि इनके मध्य कृत्य–संतोष में यह अन्तर सार्थक नहीं है।

शोध की उपादेयता

अध्ययन के निष्कर्ष बतलाते हैं कि बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षकों का कृत्य–संतोष बहुत अच्छी श्रेणी का है और विशिष्ट बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षकों का कृत्य–संतोष अच्छी श्रेणी का है।अध्ययन के निष्कर्ष यह भी बताते है कि बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षकों एवं विशिष्ट बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षकों के कृत्य–संतोष के मध्यमानों में जो अन्तर है वह सार्थक अन्तर नहीं है।अतः कहा जा सकता है कि बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षकों का एवं विशिष्ट बी0टी0सी0 प्रशिक्षित शिक्षकों का कृत्य–संतोष एक समान है।

इन निष्कर्षों से उत्तर–प्रदेश सरकार द्वारा चलायी जा रही विशिष्ट बी0टी0सी0 योजना को समर्थन मिलता है। उत्तर–प्रदेश में जो व्यक्ति बी0एड0, एल0टी0, बी0पी0एड0, सी0पी0एड0, की डिग्रीयाँ लेकर शिक्षित बेरोजगारों की संख्या बढ़ा रहे थे। उन सभी को उत्तर–प्रदेश सरकार द्वारा एक निश्चित प्रक्रिया अपनाकर विशिष्ट बी0टी0सी0 का प्रशिक्षण देकर परिशद्ीय प्राथमिक विद्यालयों में रोगजार उपलब्ध कराकर एक तरफ तो शिक्षित बेरोजगारों की संख्या में कमी की गयी और दूसरी तरफ प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षकों के अभाव की प्रतिपूर्ति भी की गयी।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 6 Issue 8, August 2016,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

चूँकि बी0एड0, एल0टी0, बी0पी0एड0, सी0पी0एड0 माध्यमिक विद्यालयों में सेवा हेतु अर्हता प्रदान करने वाली डिग्रीयाँ हैं और जब इन डिग्रीयों को प्राप्त कर अभ्यर्थी प्राथमिक विद्यालयों में सेवा के लिए तैयार होता है तो यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उत्पन्न होता है कि क्या वह अपने इस निर्णय से संतुष्ट है? या असंतुष्ट? हालांकि इस प्रश्न के उत्तर के लिए अभ्यर्थियों के तमाम क्रिया–कलापों का मूल्यांकन किया जाना चाहिए था लेकिन शोधकर्ता ने अपने शोध को अत्यधिक विस्तृत न करते हुए जिन प्रमुख चरों के मापन के आधार पर इस प्रश्न के उत्तर प्राप्त करने का प्रयास किया है उनसे सरकार की इस योजना को निरंतर जारी रखने की आवश्यकता प्रतीत होती है क्योंकि इस योजना से कुछ बेरोजगारों को रोजगार और उन बच्चों को शिक्षक उपलब्ध हो रहे हैं जो बच्चे सरकार द्वारा संचालित बी0टी0सी0 प्रशिक्षण प्राप्त शिक्षकों से ही शिक्षा पाने के चक्कर में अपने मूल अधिकार से ही वंचित हो सकते हैं क्योंकि सरकार जिस गति से बी0टी0सी0 प्रशिक्षण दे रही है उस गति से परिषद्‌ीय प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षकों की ससमय पूर्ति एक कठिन लक्ष्य है।

REFERENCES

गैरेट, ई0 हेनरी (1989). शिक्षा और मनोविज्ञान में सांख्यिकी के प्रयोग, नोयडा : कल्याणी पब्लिशर्स

निर्मल सक्सेना (1990).शिक्षण व्यवसाय में कृत्य–संतोष को प्रभावित करने वाले कारकों का अध्ययन. पी–एच0डी0, एजुकेशन, आगरा विश्वविद्यालय,, एम0बी0 बुच,'फोर्थ सर्वे ऑफ रिसर्च इन एजुकेशन', 'वही', पृष्ठ–1479

कौल, लोकेश (2010). शैक्षिक शोध की कार्य प्रणाली, नोयडा : विकास पब्लिशिंग हाउस प्रा0 लि0

शर्मा (2013). रिलेशनशिप बिट्‌वीन टीचिंग कॉम्पीटेंस एण्ड सेटिस्फेक्शन : ए स्टडी एमांग टीचरएजुकेटर्स वर्किंग इन सेल्फ फाइनेसिंग कालेज इन उत्तर प्रदेश.*इण्डियन जर्नल ऑफ रिसर्च* 3:5, 2013

राज तिलक एवं ललिता (2013).ए कम्परेटिव स्टडी ऑफ जॉब स्ट्रेस, जॉब इनवाल्वमेन्ट एण्ड जॉब सेटिसफेक्शनऑफ बी०एड० टीचिंग एण्ड बी०एड० ट्रैन्ड टीचर्स ऑफ राजकोट सौराष्ट्र रीजन ऑफ गुजरात स्टेट,पी–एच०डी० एजुकेशन, सौराष्ट्र यूनिवर्सिटी, राजकोट